राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी,
दिनांक 17.05.2020

लॉकडाउन के बीच डीरेका ने पकड़ी रफ्तार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी। 48 दिनों के उपरान्त नौ मई से डीरेका कार्यशाला में अधिकतम 33 फीसदी फॉर्मूला के आधार पर कार्य आरम्भ हुआ था। इसी क्रम में शनिवार को डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान डीरेका निर्मित वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन 'डब्ल्यूएपी-7' रवाना किया गया।

वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन 'डब्ल्यूएपी-7' का किया निर्माण

इस अवसर पर मौजूद डीरेका कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया। मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक है। इस 6000 अश्व शक्ति डब्ल्यूएपी-7 विद्युत रेल इंजन संख्या- 37359 को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड को भेजा जा रहा है।

अमर उजाला, वाराणसी,
दिनांक 10.05.2020

7 दिन में तैयार हुआ डीरेका में इंजन

वाराणसी। लॉकडाउन के दौरान 45 दिनों के बाद डीरेका कर्मियों ने महज 7 दिनों के अंदर विद्युत रेल इंजन का निर्माण किया। शनिवार को अधिकारियों ने नारियल फोड़कर विद्युत इंजन डब्ल्यूएपी-7 6000 अश्व शक्ति को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड रवाना किया। डीजल रेल इंजन कारखाना खुलने के बाद 9 मई से कर्मचारियों की ओर से विद्युत इंजन का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। 7 दिनों के अंदर 500 कर्मियों के अथक प्रयास से पहला विद्युत इंजन तैयार किया गया। डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान डीरेका निर्मित वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन अश्व शक्ति डब्ल्यूएपी-7 इंजन को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड रवाना किया गया। डीरेका के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी। 48 दिनों के बाद 9 मई को आवश्यक दिशा निर्देशों के अनुरूप डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर कार्य शुरू हुआ था। **ब्यूरो**

हिन्दुस्तान, वाराणसी,
दिनांक 17.05.2020

डीरेका में लॉकडाउन अवधि में तैयार विद्युत रेल इंजन की रवागनी पर ताली बजाकर खुशी जताते अधिकारी व कर्मचारी।

हफ्तेभर में नया विद्युत इंजन बनाया

डीरेका की उपलब्धि

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

कोविड-19 के कारण लॉकडाउन में बंद डीरेका कारखाना जब 48 दिन बाद खुला तो महज 500 कर्मचारियों ने हफ्ते भर मेहनत कर नये सत्र का पहला विद्युत रेल इंजन तैयार कर लिया। ये कर्मचारी कारखाने में काम करने वाले कुल कर्मियों की संख्या के एक तिहाई ही हैं। शनिवार को इंजन को अंतिम रूप देने के बाद पूर्व मध्य रेलवे के गोमो विद्युत शेड को भेजा जा रहा है।

बीते नौ मई को कारखाने में काम शुरू हुआ। कारखाना में ऐसे एक तिहाई कर्मियों को ही बुलाकर काम कराया गया, जो परिसर में रहते हैं। साथ ही तीन के बजाय दो शिफ्ट में ही काम हुआ। 16 मई को डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान वित्तीय वर्ष 2020-21 का पहला विद्युत रेल इंजन 'डब्ल्यूएपी-7' तैयार कर लिया और 6000 अश्वशक्ति के डब्ल्यूएपी-7 विद्युत रेल इंजन संख्या-37359 को रवाना किया गया। मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण ऐतिहासिक है।

इन अफसरों के नेतृत्व में टीम ने किया कामः प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एसके कश्यप, मुख्य विद्युत इंजीनियर लोको अनंत सदाशिव, डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिक इंजीनियर लोको केएम सिंह, कारखाना प्रबंधक एमपी सिंह, मुकेश करिढाल, केके पटेल, डीके भाटिया समेत अन्य।

50 फीसदी तैयार पहले से था तैयारः उक्त इंजन लॉकडाउन अवधि के पहले 50 फीसदी तैयार कर लिया गया था। बाकी 50 फीसदी काम कर्मचारियों ने महज चार दिन में पूरा किया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि चूंकि जब 48 दिन बाद कारखाना खुला तो तीन दिन व्यवस्था में लगे। कारखाने में एक विद्युत इंजन तैयार करने में कम से कम 20 दिन लगते हैं। हालांकि एक इंजन पर ही काम नहीं किया जाता, कई इंजन पर कर्मचारी काम करते रहते हैं।

आज, वाराणसी,
दिनांक 17.05.2020

डीरेकाने किया कमाल सात दिनोंमें तैयार किया पहला रेल इंजन

वैश्विक महामारी नोवेल कोरोना वायरस को देखते हुए ४८ दिनों तक बन्द रहे डीजल रेल इंजन कारखाना खुल चुका है। पिछले नौ मई से कर्मचारियों की ओर से विद्युत इंजन का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। एक सप्ताह के अन्दर ५००कर्मियों के अथक प्रयास से शनिवार को पहला विद्युत इंजन तैयार किया गया। डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शाप वर्ष २०२०-२१ का प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यू एपी ७६०० अश्व शक्ति इंजन संख्या ३७३५९ को पूर्व मध्य रेलवे गोमोट विद्युत शेड रवाना किया जा रहा है। डीरेका के मुख्य

जनसम्पर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि लाकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियों लंबे समय से ठप पड़ी थी। ४८दिनों के बाद नौ मई को आवश्यक दिशानिर्देशों के अनुरूप डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर स्थित आवासों में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम ३३ फीसदी फार्मूला के आधार पर सेवा लेकर कार्य शुरू किया गया। उन्होने बतायाकि मात्र एक सप्ताह में लगभग ५०० डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेज इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस अवसर पर मौजूद डीरेका कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तालियां बजाकर इनका स्वागत किया।

डेली वर्ल्ड, वाराणसी, दिनांक 17.05.2020

लाकडाऊन में डीरेका चालू वित्तीय वर्ष में किया पहला विद्युत रेल इंजन का निर्माण

डेली वर्ल्ड रिपोर्टर/वाराणसी

वाराणसी। वैश्विक महामारी नोवेल कोरोनावायरस (उडश्क्ळ-19) के कारण घोषित लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी । 48 दिनों के लॉकडाउन के उपरांत, आज से एक सप्ताह पूर्व 9 मई को आवश्यक दिशानिदेर्शों के अनुरूप डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर स्थित आवासों में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम 33% फॉमूर्ला के आधार पर सेवा लेकर कार्य आरम्भ हुआ था ।

इसी क्रम में आज दिनांक 16 मई को डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान डीरेका निर्मित वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन ह्यडब्ल्यूएपी-7ह्न रवाना किया गया । इस अवसर पर मौजूद डीरेका कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया । मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक है। उपरोक्त 6000 अश्व शक्ति डब्ल्यूएपी-7 विद्युत रेल इंजन संख्या- 37359 को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड को भेजा जा रहा है ।

जनवार्ता, वाराणसी, दिनांक 17.05.2020

डीरेका ने सात दिनों में तैयार किया पहला विद्युत रेल इंजन

वाराणसी (जनवार्ता)। कोरोना वायरस को देखते हुए 48 दिनों तक बंद रहे डीजल रेल इंजन कारखाना खुल चुका है। 9 मई से कर्मचारियों की ओर से विद्युत इंजन का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। 7 दिनों के अंदर 500 कर्मियों के अथक प्रयास से शनिवार को पहला विद्युत इंजन तैयार किया गया। डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान डीरेका निर्मित वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी-7 6000 अश्व शक्ति इंजन संख्या- 37359 को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड रवाना किया जा रहा है। डीरेका के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी। 48 दिनों के बाद 9 मई को आवश्यक दिशानिदेर्शों के अनुरूप डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर स्थित आवासों में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम 33 प्रतिशत फॉमूर्ला के आधार पर सेवा लेकर कार्य शुरू हुआ था। मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस अवसर पर मौजूद डीरेका अधिकारियों के कर्मचारियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया।

हिन्द भाष्कर, वाराणसी, दिनांक 17.05.2020

डीरेका ने किया प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी-7 का सफलतापूर्वक निर्माण

वाराणसी। वैश्विक महामारी नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण घोषित लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी । लॉकडाउन के दौरान नौ मई को शासन द्वारा आवश्यक दिशा निर्देशों के बाद डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर स्थित आवासों में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवा लेकर कार्य आरम्भ हुआ था । इसी क्रम में 16 मई शनिवार को डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी-7 रवाना किया गया। इस अवसर पर मौजूद डीरेका कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया। मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने कहा कि मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि छः सौ अश्व शक्ति वाला डब्ल्यूएपी-7 विद्युत रेल इंजन संख्या- 37359 को पूर्व मध्य रेलवे के गोमोह विद्युत शेड को भेजा जा रहा है।

पायनियर, लखनऊ, दिनांक 17.05.2020

डीरेका ने बनाया वित्तीय वर्ष 2020.21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी 7

वाराणसी । वैश्विक महामारी नोवेल कोरोनावायरस के कारण घोषित लॉकडाउन के चलते डीजल रेल इंजन कारखाना में उत्पादन गतिविधियां लम्बे अंतराल से ठप पड़ी थी । 48 दिनों के लॉकडाउन के उपरांतए आज से एक सप्ताह पूर्व दिनांक 09 मई को आवश्यक दिशानिर्देशों के अनुरूप डीरेका कार्यशाला में केवल परिसर स्थित आवासों में रहने वाले कर्मचारियों के माध्यम से अधिकतम 33ः फॉर्मूला के आधार पर सेवा लेकर कार्य आरम्भ हुआ था । इसी क्रम में आज दिनांक 16 मई को डीजल रेल इंजन कारखाना लोको टेस्ट शॉप में लॉकडाउन के दौरान डीरेका निर्मित वित्तीय वर्ष 2020.21 का प्रथम विद्युत रेल इंजन डब्ल्यूएपी.7 रवाना किया गया । इस अवसर पर मौजूद डीरेका कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया मात्र एक सप्ताह में लगभग 500 डीरेका कर्मियों के अथक प्रयास से इस विद्युत रेल इंजन का निर्माण वास्तव में डीरेका के लिए ऐतिहासिक है

The Sunday Times, Varanasi
Dated-17.05.2020

DLW manufactures electric engine in a week

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: The Diesel Locomotive Works (DLW) manufactured a 6000 Horse Power (HP) electric engine in just a week after a 48-day shutdown of the workshops due to the Covid-19 pandemic. The production activities at DLW resumed from May 9.

According to the chief public relation officer of DLW Nitin Mehrotra, the locomotive is being sent to the Gomoh electric shed of the East Central Railway (ECR). It is the very first electric engine produced by the unit in the 2020-21 financial year.

The DLW officials and employees welcomed celebrated the feat during the rolling out ceremony.

The production activities resumed on May 9 with necessary precautions and lockdown protocol. Only 33% of employees living in DLW township are being involved in the production.

All employees were made to download the Arogya Setu app and have been given masks. The workshop timing has been divided into two shifts and social distancing norms are strictly followed. Each employee has to undergo thermal scanning at the entrance. Besides, proper arrangements of sanitization have been made in the the workshops. As per the guidelines of the ministry of home affairs, the work timings have been fixed from 7.30 am to 12.30 pm for the first shift, and from 1.30 pm to 6 pm for the second shift.

TOI

DLW officials celebrate the feat during the rolling out ceremony